झमाझम बारिश से खेतों में लौटी हरियाली

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 18 जुलाई। सावन मास के पहले ही सप्ताह में जिले में मानसून सक्रिय हो गया है। गुरुवार से शुरू हुई रुक-रुक कर बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दी है। बीते 24 घंटे में जिले में तेज़ हवाओं के साथ हुई

नदियों का जलस्तर बढ़ा, भिंड में जलमग्न हुई नालियां, गर्मी से मिली राहत

बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया है। साथ ही खेतों में हरियाली की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं।

गुरुवार दोपहर से मौसम ने करवट ली और शाम तक आसमान में घने बादलों का डेरा छा गया। रात लगभग 10 बजे से लगातार रिमझिम बारिश होती रही, जिसकी गति रात भर बनी रही। हवाओं की रफ्तार औसतन 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, जिले में बीते 24 घंटे में औसतन 37.02 मिमी (1.45 इंच) वर्षा दर्ज की गई है, जो किसानों और फसल के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जा रही है।

मौ क्षेत्र में सर्वाधिक बारिश : जिले के विभिन्न विकासखंडों में वर्षा की मात्रा अलग-अलग दर्ज की गई, जिसमें मौ क्षेत्र में सबसे अधिक 82 मिमी (3.22 इंच) बारिश हुई। इसके अलावा लहार में 52 मिमी (2.04 इंच), मिहोना में 51 मिमी (2 इंच), जबकि भिण्ड और गोरमी में 20-20 मिमी (0.78 इंच) वर्षा रिकॉर्ड की गई। लगातार वर्षा के कारण कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी, हालांकि नगर निकायों द्वारा पानी की निकासी का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

नदियों का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन सतर्क : झमाझम बारिश का असर जिले की प्रमुख नदियों पर भी देखा जा रहा है। कुंवारी नदी का जलस्तर 127 मीटर तक पहुँच गया है, जो खतरे के निशान से लगभग 2 मीटर ऊपर है। वहीं सिंध नदी का जलस्तर 115 मीटर और चंबल नदी का जलस्तर 114 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो खतरे के निशान से 6 मीटर नीचे है। प्रशासन द्वारा संवेदनशील इलाकों पर सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

ग्रामीण मार्गों पर असर, सड़कें क्षतिग्रस्त : लगातार बारिश से जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की हालत बिगड़ गई है। जगह-जगह कीचड़ और जलभराव से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित पंचायतों को निर्देशित किया गया है कि मार्गों की मरम्मत एवं जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता से दुरुस्त किया जाए।

कृषि के लिए अनुकूल माहौल

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह वर्षा खरीफ फसलों के लिए संजीवनी साबित हो सकती है। मूंगफली, सोयाबीन, मक्का, उड़द एवं धान जैसी फसलों की बुवाई अब तेजी से हो सकेगी। जिले भर के किसान इस मानसूनी मेहरबानी से प्रसन्न नजर आ रहे हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदियों के आसपास अत्यधिक सतर्कता बरतें और अनावश्यक रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में न जाएं। आने वाले कुछ दिनों में और भी बारिश की संभावना जताई जा रही है, जिससे सावधानी बरतना आवश्यक है।

मारपीट के आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 18 जुलाई। एसपी डॉ. असित यादव, एसपी संव पाठक के मार्गदर्शन और एसडीओपी रौन प्रवीन त्रिपाठी के निर्देशन में थाना रौन पुलिस ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए कृषि विभाग के कर्मचारी के साथ मारपीट करने वाले आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्यूबवेल से पानी न देने पर की मारपीट : टीआई आशुतोष शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को ग्राम गौरई में कृषि विभाग के कर्मचारी अनिल सिंह राजावत के साथ गांव के कुछ व्यक्तियों द्वारा ट्यूबवेल से पानी न देने की बात पर विवाद करते हुए मारपीट की गई। इस संबंध में रौन थाना पर अपराध क्रमांक 165/25, धारा 132, 121(1), 296, 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंबद्ध किया गया।

शुक्रवार को आरोपितों को पकड़ा गया : पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को सभी आरोपितों को ग्राम गौरई से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से विधिसंगत कार्रवाई की जा रही है। इस पूरे अभियान में उनि. शैलेन्द्र रावत के नेतृत्व में पुलिस बल की सक्रियता उल्लेखनीय रही।

एसपी का सख्त संदेश : एसपी डॉ. असित यादव ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता या मारपीट को प्रशासन गंभीरता से लेता है। ऐसे कृत्यों में शामिल व्यक्तियों पर कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निराश्रित गौवंश को बांधी रेडियम पट्टी

नवभारत न्यूज

मालनपुर, 18 जुलाई। नेशनल हाईवे 719 पर घूमने वाले निराश्रित आवारा मवेशियों की वजह से हो रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए मालनपुर कस्बे में गौ रक्षकों ने मालनपुर मुख्य नगर परिषद अधिकारी रेहान अली एवं नगर परिषद टीम के साथ मिलकर संयुक्त रूप से मवेशियों के गले में रेडियम पट्टी बांधी मवेशियों को पट्टी बांधने दौरान मुख्य नगर परिषद अधिकारी रिहान अली ने कहा की हाईवे पर आवारा मवेशियों की वजह से सड़क हादसे हो रहे हैं जिसमें कई बार जनहानि के साथ मवेशियों की जान भी चली जाती है इस पर अंकुश लगाने के लिए कस्बे मे गौ रक्षकों के द्वारा निराश्रित गौ वंश के गले में रेडियम पट्टी बांध रहे हैं और रक्षकों के द्वारा हनुमान चौराहा सब्जी मंडी हरिराम की कुईया गौ वंश के गले में बांधी गई रेडियम पट्टी , इस मौके पर राष्ट्रीय गौ रक्षक संघ के भिंड जिला अध्यक्ष दीपक रजक,एवं मुख्य नगर परिषद अधिकारी रेहान अली,मालनपुर नगर परिषद अध्यक्ष पति मुकेश किरार, गौ रक्षक गोपाल गुर्जर,गौ रक्षक भोला जाटव, गौ रक्षक लॉरेंस बघेल एवं स्थानीय गौरक्षक उपस्थित रहे।

गौरी सरोवर की स्वच्छता को लेकर विधायक का संकल्प

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 18 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व भिंड विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने सेवा, समर्पण और जनकल्याण के संकल्प के साथ गौरी सरोवर की सफाई का बीड़ा उठाया है। उन्होंने स्वयं सरोवर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों एवं स्वास्थ्य अधिकारी राव जैन को मौके पर बुलाकर जलकुंभी हटाने एवं संपूर्ण सरोवर की साफ-सफाई के निर्देश दिए।

जलकुंभी हटाने के दिए सख्त निर्देश

सरोवर जल स्वच्छ दिखना चाहिए : विधायक कुशवाह ने कहा कि गौरी सरोवर हमारे भिण्ड की धार्मिक, ऐतिहासिक व आध्यात्मिक धरोहर है। इसमें जलकुंभी जैसे प्रदूषणकारी पौधों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। एक भी जलकुंभी का पौधा सरोवर में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रति जलकुंभी पौधा लगभग 5 लीटर पानी पीता है, जिससे जल स्तर में गिरावट आती है और जल की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।

सावन मास और धार्मिक आयोजनों को ध्यान में रखते हुए सफाई पर विशेष जोर : विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि श्रावण मास प्रारंभ हो चुका है, जिसमें शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि होती है। गौरी सरोवर के तट पर वानखंडेश्वर, अर्धनारीश्वर, महाकालेश्वर जैसे कई शिवालय स्थित हैं, जहां सावन में हजारों भक्तजन पूजन के लिए आते हैं। इसीलिए, गौरी सरोवर की सफाई और सौंदर्यीकरण अत्यंत आवश्यक है।

भुजरिया महोत्सव से पहले सफाई की विशेष व्यवस्था : विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि सावन के अंत में मनाया जाने वाला भुजरिया मेला भी गौरी सरोवर पर होता है, जिसमें हजारों महिलाएं गौरी मैया को भुजरिया अर्पित करती हैं। ऐसे अवसरों पर सड़क किनारे या सरोवर के आसपास किसी भी प्रकार की गंदगी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों से अपील की कि वे सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दें और अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें।

विधायक प्रतिदिन स्वयं करेंगे निगरानी, वोटिंग से करेंगे मुआयना

विधायक कुशवाह ने यह भी कहा कि मैं स्वयं प्रत्येक सुबह और शाम वोटिंग कर गौरी सरोवर की स्थिति का अवलोकन करूंगा। नगर पालिका को निर्देशित किया गया है कि सरोवर के बाहर और किनारों पर एक भी जलकुंभी दिखाई न दे।

सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में सुधार को लेकर कलेक्टर का निर्देश

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 18 जुलाई। जिले की सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में सुधार और जनशिकायतों के संतोषजनक समाधान को लेकर कलेक्टर संव श्रीवास्तव ने सभी

शनिवार-रविवार को सभी अधिकारी रहेंगे कार्यालय में उपस्थित

कार्यालय प्रमुखों एवं अधीनस्थ कार्यालयों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य लोक सेवा अभिकरण, लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा 20 से 22 जुलाई के बीच 1 जून से 30 जून की राज्य स्तरीय सीएम हेल्पलाइन ग्रेडिंग जारी की जाएगी। इस दौरान भिंड जिले की स्थिति बेहतर बनी रहे, इसके लिए सभी विभागों को शनिवार 19 जुलाई एवं रविवार 20 जुलाई को अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहकर शिकायतों के समाधान के लिए कार्य करना होगा। जिसमें सभी कार्यालय प्रमुख तथा उनके अधीनस्थ ब्लॉक, तहसील एवं जनपद स्तर के अधिकारी 19 और 20 जुलाई को कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। एल-1 अधिकारी अपने-अपने विभागों की शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें। हर दो घंटे में प्रगति रिपोर्ट कलेक्टर भिंड एवं अपर कलेक्टर भिंड को भेजना अनिवार्य होगा। प्रत्येक विभाग प्रमुख सुबह 10 बजे स्वयं समीक्षा कर अपर कलेक्टर को रिपोर्ट देंगे।

गूगल मीट से की जाएगी शाम को समीक्षा बैठक : दिनांक 19 और 20 जुलाई को शाम 7 बजे गूगल मीट के माध्यम से निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में लंबित शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि इन दोनों दिवसों में यदि कोई अधिकारी निर्देशों का पालन नहीं करता है अथवा निराकरण की गति में सुधार नहीं होता, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतें सीधे जनता से जुड़ी होती हैं। इनका त्वरित और संतोषजनक समाधान हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। जो अधिकारी इस कार्य को गंभीरता से नहीं लेंगे, उनके खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

सब्जियों के साथ छिपाकर ले जाई जा रही थी अवैध शराब

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 18 जुलाई। जिले में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बरोही पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव और अपर पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के मार्गदर्शन में, डीएसपी दीपक तोमर के निर्देशन तथा थाना बरोही प्रभारी उप निरीक्षक अतुल भदौरिया के नेतृत्व में शुक्रवार को वाहन चेकिंग के दौरान एक ऑटो से सब्जियों के बीच छिपाकर ले जाई जा रही 69.66 लीटर अवैध शराब बरामद की गई है।

बरोही पुलिस ने दो आरोपितों को पकड़ा

थाना प्रभारी अतुल भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक हरे और पीले रंग की ऑटो में अवैध शराब को सब्जियों के नीचे छिपाकर भिण्ड की ओर से किसी ग्रामीण क्षेत्र की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर अमलेड़ी तिराहे के पास पुलिस ने ऑटो क्रमांक एमपी 30 जेडडी 4657 को रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान ऑटो में रखी दो सफेद बोरियों से कुल 387 क्वाटर देशी शराब बरामद किए गए, जिसमें एक बोरी में 140 क्वाटर देशी मसाला शराब और दूसरी में 247 क्वाटर वाटर प्लेन देशी शराब पाई गई। इस जब्ती की कुल मात्रा 69.66 वॉल्यूम लीटर निकली, जिसकी अनुमानित बाज़ार कीमत 38,700 आंकी गई है। वहीं पकड़े गए ऑटो की कीमत लगभग 2 लाख है। इस प्रकार जब्त किए गए संपूर्ण सामग्री की कुल कीमत 2,38,700 बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह शराब अपने गाँव ले जाकर बेचने की फिराक में थे। दोनों के विरुद्ध 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला विवेचना में लिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बरोही उप निरीक्षक अतुल सिंह भदौरिया, सउनि बाबू सिंह जादौन, प्र. आर. मयंक दुबे, त्रिवेन्द्र सिंह, मान सिंह, शिवकुमार, आरक्षक विकास चौहान, ओमवीर सिंह, दीपक जैन, अमित रावत और अरविन्द रावत की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए टीम को बधाई दी और कहा कि जिले में अवैध शराब के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

रामाभिषेक की दिव्य कथा

रामस्वरूपाचार्य महाराज ने किया अभिषेक प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 18 जुलाई। कथा व्यास परम पूज्य रामस्वरूपाचार्य महाराज ने राम कथा में शुक्रवार को भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक प्रसंग का अत्यंत भावविभोर कर देने वाला वर्णन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को बताया कि जब राम का राज्याभिषेक हुआ, तब अवधपुरी दिव्य रूप में सजाई गई। देवताओं ने पुष्पवर्षा की, आकाश में मंगल ध्वनि गूंजने लगी, और सम्पूर्ण ब्रह्मांड में आनंद की लहर दौड़ गई।

भरत की जटाओं का संभार और तीर्थ जल से अभिषेक : महाराज ने बताया कि राम ने भरत को ससम्मान बुलाकर, अपने करकमलों से उनकी जटाएँ खोलीं। भरत ने अपने गुरु वशिष्ठ की आज्ञा से सभी तीर्थों का पवित्र जल एकत्र कर, राम के अभिषेक हेतु अर्पित किया। यह दृश्य संपूर्ण समाज को समर्पण, सेवा और भक्ति की भावना का साक्षात पाठ पढ़ाता है।

शिव स्तुति और नाम की महिमा : इस पावन प्रसंग का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि भगवान शिव स्वयं श्रीराम की स्तुति करते हुए बोले जय राम रमारमनं समनं। भवताप हो भयाकुल पाहि जनं। श्रीराम का नाम इतना प्रभावशाली है कि वह स्वयं ब्रह्म और परमात्मा स्वरूप है। रामचरितमानस में भी गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है कि राम नाम अति पावन, सदा जपत हरिजान।

राम नाम की महिमा का उपदेश

महाराज ने कथा के अंत में श्रद्धालुओं को राम नाम के स्मरण और भक्ति में लीन रहने का संदेश देते हुए कहा कि राम का नाम स्वयं श्रीराम से भी बड़ा है, क्योंकि राम स्वयं भी अपने नाम का गुणगान नहीं कर सकते। राम नाम ही भवसागर से पार करने की सबसे सरल नौका है।

रामचरितमानस में राम और सीता का स्मरण : रामस्वरूपाचार्य ने श्रोताओं को बताया कि रामचरितमानस में राम शब्द 1443 बार और सीता शब्द 147 बार आता है। यह दर्शाता है कि तुलसीदास ने राम के नाम को साक्षात साधना और श्रद्धा का आधार माना है।

श्रीराम जन्म और अवतरण : उन्होंने यह भी बताया कि राम का जन्म रामनवमी के दिन हुआ था, जब अयोध्या नगरी में राजा दशरथ और माता कौशल्या को यह परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। राम का अवतरण अधर्म के विनाश और धर्म की स्थापना के लिए हुआ था।

थाना प्रभारी ने बच्चों को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

नवभारत न्यूज

गोहद, 18 जुलाई। गोहद फर्स्ट स्टेप स्कूल में आज विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एसडीओपी महेंद्र सिंह गौतम व थाना प्रभारी मनीष धाकड़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशे से दूर रहने की प्रेरणा देना था।

थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि उसके भविष्य और समाज के लिए भी घातक होता है। उन्होंने छात्रों को मादक पदार्थों से सदैव दूर रहने, अपने परिवार व समाज का नाम रोशन करने की अपील की। साथ कि नशे से सम्बंधित कुछ हेल्प लाइन नंबर नॉट कराये 14446 नशा मुक्ति, 1933 मानस हेल्पलाइन, 14416 सुसाइड हेल्पलाइन व 7049100785 नारकोटिक्स विभाग जेसे महत्वपूर्ण नंबर छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों को नोट कराये। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत की शपथ भी दिलाई गई। बच्चों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य पवन गुप्ता ने एसडीओपी व थाना प्रभारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम छात्रों में सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम में शिक्षकगण, अभिभावक व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मेहगांव में शिवमहापुराण कथा का भव्य आयोजन

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 18 जुलाई। मेहगांव के प्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान दरबार में चल रहे 21 दिवसीय शिव महापुराण कथा के अंतर्गत आयोजित संत सम्मेलन में कथा वाचक पंडित आशीष शास्त्री महाराज ने भक्तों को आनंदित रामकथा के अमृतमयी प्रसंग सुनाते हुए श्रद्धालुजनों को भावविभोर कर दिया।

राम जन्म से लेकर रावण वध तक-शिव के दृष्टिकोण से कथा : कथा वाचक पं. आशीष शास्त्री ने भगवान शिव द्वारा माता सती को श्रीराम के ईश्वर रूप का बोध कराए जाने की कथा सुनाई। उन्होंने बताया

कि एक बार भगवान शंकर, माता सती को अपने इष्टदेव श्रीराम का परिचय दे रहे थे। परंतु माता सती को विश्वास नहीं हुआ कि श्रीराम स्वयं परमेश्वर हैं। उन्होंने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया, तब भोलेनाथ ने उन्हें रोकते हुए कहा कि 'होई हि सोई जो राम रचि राखा, को करि तर्क बढ़ावै साखा।' अर्थात, जो राम ने रचा है, वही होगा। इस पर तर्क नहीं करना चाहिए। इस प्रसंग के माध्यम से शिव और राम के परस्पर दिव्य संबंध को सुंदर भाव से प्रस्तुत किया गया।

रावण वध और रामेश्वरम की ज्योतिर्लिंग स्थापना का उल्लेख : कथा के क्रम में रावण वध और रामेश्वरम में ज्योतिर्लिंग स्थापना के प्रसंगों को भी अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। भक्तों ने 'जय श्रीराम' और 'हर हर महादेव' के उद्घोष से पूरे परिसर को गूंजायमान कर दिया।

सांस्कृतिक माहौल और श्रद्धा का संगम : खेड़ापति हनुमान दरबार परिसर में इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और शांति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। शिव ध्वनि, कथा रस और संतों के उपदेशों से वातावरण पूर्णत: भक्तिमय बना हुआ है।

संत सम्मेलन में पूज्य शांति दास महाराज का संदेश : कथा आयोजक पूज्य संत शांति दास महाराज ने कहा कि सावन मास शिव भक्ति का श्रेष्ठ अवसर है। इस माह में भगवान शिव की आराधना करने से सारे संकट दूर होते हैं। जो भी व्यक्ति श्रद्धा से शिव आराधना करता है, उसके वन के सभी कष्ट हर लिए जाते हैं।